Patrika (Indore), 14th August 2022, Page-01

10वां दीक्षांत समारोहः 490 विद्यार्थियों को दी गई उपाधि, पद्मविभूषण डॉ. अनिल काकोड़कर ने कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

आइआइटी में बनेगा जयप्रकाश नारायण नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन ह्यूमैनिटीज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी), इंदौर का 10वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। इस दौरान 111 छात्राओं सहित 490 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। पद्म विभूषण व परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोड़कर ने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। अध्यक्षता बीओजी के चेयरमैन प्रो. दीपक बी. फाटक ने की।

आइआइटी के डायरेक्टर प्रो. सुहास एस. जोशी ने बताया, रिसर्च के जरिये हम समाज में योगदान करने और पिरामिड के निचले हिस्से के लोगों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइआइटी द्वारा दाखिल किए 83 पेटेंट में से हमें 19 मिल चुके हैं। प्रौद्योगिकी के साथ हम मानविकी पर भी समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत सरकार ने शुक्रवार को ही आइआइटी इंदौर में जयप्रकाश नारायण नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन ह्यूमैनिटीज की स्थापना को मंजूरी दी है। इंदौर परिसर में अमृत सरोवर विकसित किया जा रहा है। यहां जॉगिंग ट्रैक, प्राकृतिक एम्फीथिएटर और लैंडस्केपिंग के साथ 100 मीटर व्यास की झील होगी। प्रो. जोशी ने बताया, आइआइटी में दूसरे फेज का निर्माण कार्य अंतिम दौर में है। जल्द ही तीसरे फेज का काम शुरू होगा। उज्जैन में प्रस्तावित सैटेलाइट कैंपस को लेकर पूछे सवाल पर प्रो. जोशी ने कहा कि इसके लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। जैसे ही वहां से हरी झंडी मिलेगी, हम कदम आगे बढ़ा देंगे। चेयरमैन प्रो. फाटक ने कहा, हमारे पास एस्ट्रोनॉमी का पुरातन ज्ञान बहुत है। हम सैटेलाइट कैंपस में स्पेस रिसर्च के प्रोग्राम शुरू करेंगे।

डेनियल शाहिद शम्सी को प्रेसीडेंट गोल्ड मेडल देते अतिथि।

269 बीटेक | 61 पीएचडी | 88 एमएससी | 65 एमटेक | 07 एमएस (रिसर्च)

डिग्री और मेडल लेने के बाद खुशी से झूमते आइआइटी के विद्यार्थी।

पिता ने दी बेटे को डिग्री

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के डेनियल शाहिद शम्सी ने प्रेसीडेंट गोल्ड मेडल प्राप्त किया। बीटेक में एकेडमिक परफॉर्मेंस के आधार पर अलग-अलग ब्रांच के टॉपर को सिल्वर मेडल से नवाजा गया। इनमें शाह मितेन हरेश, सुमेधा श्रीवास्तव, अरविंद मेहता, सोनाक्षी गुप्ता और अर्नव सुहास जोशी सम्मानित हुए। इन्हें चेयरमैन ने मेडल और डायरेक्टर ने डिग्री दी। बीटेक में मेडल हासिल करने वाले अर्नव आइआइटी डायरेक्टर सुहास जोशी के बेटे हैं। सम्मानित होने वालों में पीजी प्रोग्राम के जिबिन वी. सनी और हरिनारायणन वासवन को सिल्वर मेडल और एमएससी की छात्रा अंकिता मोंडल को बूटी फाउंडेशन का गोल्ड मेडल दिया गया। बीटेक के अक्षय प्रकाश और गौरव कुमार को सर्वश्रेष्ठ बी टेक प्रोजेक्ट का पुरस्कार मिला। मुकाला जोगेश कुमार ने ग्रेजुएट छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए संस्थान का सिल्वर मेडल पदक प्राप्त किया।

खराब नहीं होगी सोयाबीन की फसल

कम्प्यूटर साइंस में पीएचडी करने वाली प्रीति झा ने एनालिटिक्स के जरिए सोयाबीन की फसल को बचाने का तरीका ढूंढा है। प्रीति ने सोयाबीन के बीजों पर रिसर्च की। एनालिटिक्स के जरिए उस जीन को खोजने में सफलता मिली, जो जेनेटिक्स के जरिये कीड़े को फैलने से रोक देता है।